वर्ष-17 अंक-199 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, शुक्रवार 21 जुलाई 2023

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक नगर छाया

आप की आवाज़.....

सीएसए कुलपति के निर्देशन में विश्वविद्यालय परिसर में चला गाजर घास उन्मूलन कार्यक्रम

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देशन में विश्वविद्यालय परिसर में गाजर घास उन्मूलन कार्यक्रम चलाया गया। इस अवसर पर कुलपति ने बताया कि प्रायः गाजर की तरह पत्ते वाला छोटे-छोटे सफेद फूल देने वाला एक से दो ढाई फीट ऊंचाई वाले इसके पौधे पहले रेलवे लाइनों के किनारे मिलते थे।बाद में यह सड़कों के किनारे में होने लगे और अब तेजी से खाली पड़े खेतों में इसकी झाड़ियां जंगल की तरह उग रही है।उन्होंने बताया कि गाजर घास मनुष्यों के स्वास्थ्य व पशुओं के लिए हानिकारक है तथा वातावरण भी प्रदूषित करते हैं।उन्होंने कहा कि इसके उन्मूलन के लिए इसे फूलने के पहले ही उखाड़ कर नष्ट कर देना चाहिए। या संस्तुत खरपतवार नाशक का प्रयोग करना चाहिए।इस अवसर पर निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय कुमार यादव,संपत्ति अधिकारी डा.अनिल कुमार सिंह उपस्थित रहे।

सीएसए में गाजर घास उन्मूलन कार्यक्रम का आयोजन

जन एक्सप्रेस/कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में बीते दिन गुरुवार को विश्वविद्यालय परिसर में गाजर, घास उन्मूलन कार्यक्रम चलाया गया। कुलपति डॉ. सिंह ने बताया कि

गाजर की तरह पत्ते वाला छोटे–छोटे सफेद फूल देने वाला एक से दो ढाई फीट ऊंचाई वाले इसके पौधे पहले रेलवे लाइनों के किनारे मिलते थे। बाद में यह सड़कों के किनारे भी होने लगे और अब तेजी से खाली पड़े खेतों में इसकी झाड़ियां जंगल की तरह उग रही है।उन्होंने बताया कि गाजर घास मनुष्यों के स्वास्थ्य व पशुओं के लिए हानिकारक है तथा यह वातावरण भी प्रदूषित करते हैं।उन्होंने कहा कि इसके उन्मूलन के लिए इसे फूलने के पहले ही उखाड़ कर नष्ट कर देना चाहिए। या संस्तुत खरपतवार नाशक का प्रयोग करना चाहिए।इस अवसर पर निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ. विजय कुमार यादव,संपत्ति अधिकारी डॉ.अनिल कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

WORLD खबर EXPRESS

WORLD खबर एक्सप्रेस

गुरुवार

20 जुलाई, 2023

अंक - 442

सीएसए कुलपति के निर्देशन में विश्वविद्यालय परिसर में चला गाजर घास उन्मूलन कार्यक्रम

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देशन में विश्वविद्यालय परिसर में गाजर घास उन्मूलन कार्य म चलाया गया। इस अवसर पर कुलपति ने बताया कि प्रायः गाजर की तरह पत्ते वाला छोटे-छोटे सफेद फूल देने वाला एक से दो ढाई फीट ऊंचाई वाले इसके पौधे पहले रेलवे लाइनों के किनारे मिलते थे। बाद में यह सड़कों के किनारे में होने लगे और अब तेजी से खाली पड़े खेतों में इसकी झाड़ियां जंगल की तरह उग रही है।उन्होंने बताया कि गाजर घास मनुष्यों के स्वास्थ्य व पशुओं के लिए हानिकारक है तथा वातावरण भी प्रदूषित करते हैं।उन्होंने कहा कि इसके उन्मूलन के लिए इसे फूलने के पहले ही उखाड़ कर नष्ट कर देना चाहिए। या संस्तुत खरपतवार नाशक का प्रयोग करना चाहिए। इस अवसर पर निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय कुमार यादव,संपत्ति अधिकारी डा.अनिल कुमार सिंह उपस्थित रहे।

रहस्य संदेश

RNI. NO. UPHIN/2007/20715

8 लखनऊ एंव एटा से प्रकाशित, शुक्रवार, 21 जुलाई, 2023 पृष्ठ : 8 मूल

सीएसए कुलपति के निर्देशन में विश्वविद्यालय परिसर में चला गाजर घास उन्मूलन कार्यक्रम

अनवर अशरफ । कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकीटअ विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देशन में विश्वविद्यालय परिसर में गाजर घास उन्मूलन कार्यक्रम चलाया गया। इस अवसर पर कुलपति ने बताया कि प्रायः गाजर की तरह पत्ते वाला छोटे–छोटे सफेद फूल देने वाला एक से दो ढाई फीट ऊंचाई वाले इसके पौधे पहले रेलवे लाइनों के किनारे मिलते थे।बाद में यह सड़कों के किनारे में होने लगे और अब तेजी से खाली पड़े खेतों में इसकी झाड़ियां जंगल की तरह उग रही है।उन्होंने बताया कि गाजर घास मनुष्यों के स्वास्थ्य व पशुओं के लिए हानिकारक है तथा वातावरण भी प्रदूषित करते हैं।उन्होंने कहा कि इसके उन्मूलन के लिए इसे फूलने के पहले ही उखाड़ कर नष्ट कर देना चाहिए। या संस्तुत खरपतवार नाशक का प्रयोग करना चाहिए।इस अवसर पर निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय कुमार यादव,संपत्ति अधिकारी डा.अनिल कुमार सिंह उपस्थित रहे।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 15 अंक : 23 कानपुर, शुक्रवार 21 जुलाई 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

iyaswaroop.in

पाकिस्तान को साल भर बाद मिली टेस्ट जीत 10

विश्वविद्यालय परिसर में चला गाजर घास उन्मूलन कार्यक्रम

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देशन में विश्वविद्यालय

परिसर में गाजर घास उन्मूलन कार्यक्रम चलाया गया। इस अवसर पर कुलपति ने बताया कि प्राय: गाजर की तरह पत्ते वाला छोटे-छोटे सफेद फूल देने वाला एक से दो ढाई फीट ऊंचाई वाले इसके पौधे पहले रेलवे लाइनों के किनारे मिलते थे।बाद में यह सड़कों के किनारे में होने लगे और अब तेजी से खाली पड़े खेतों में इसकी झाड़ियां जंगल की तरह उग रही है।उन्होंने बताया कि गाजर घास मनुष्यों के स्वास्थ्य व पशुओं के लिए हानिकारक है तथा वातावरण भी प्रदूषित करते हैं।उन्होंने कहा कि इसके उन्मूलन के लिए इसे फूलने के पहले ही उखाड़ कर नष्ट कर देना चाहिए। या संस्तुत खरपतवार नाशक का प्रयोग करना चाहिए।इस अवसर पर निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय कुमार यादव,संपत्ति अधिकारी डा.अनिल कुमार सिंह उपस्थित रहे।

नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान चन्दौसी जनपद सम्भल में विभिन्न प्रकार के 30 वृक्षों की नीलामी दिनांक 24.07.2023 समय प्रात: 11 बजे आई.टी.आई. प्रांगण में की जायेगी। इच्छुक व्यक्ति उक्त दिनांक व समय पर उपस्थित होकर नीलामी की बोली लगा सकता है। अधिकतम बोली पर नीलामी की जायेगी।

ना.तहसीलदार चन्दौसी — **प्रधानाचार्य रा.आ.प्र.सं. चन्दौसी**

rni no uphin47232

उपदेश टाइम्स

कानपुर से प्रकाशित एवं कानपुर, उन्नाव, लखनऊ, गोण्डा, जौनपुर, फिरोजाबाद, जालौन उरई, कन्नौज, फर्रुखाबाद, एटा में प्रसारित

विश्वविद्यालय परिसर में गाजर घास उन्मूलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया

कानपुर नगर उपदेश टाइम्स

सीएसए के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देशन में विश्वविद्यालय परिसर में गाजर घास उन्मूलन कार्यक्रम चलाया गया इस अवसर पर कुलपति ने बताया कि प्रायः गाजर की तरह पत्ते वाला छोटे-छोटे सफेद फूल देने वाला एक से दो ढाई फीट ऊंचाई वाले इसके पौधे पहले रेलवे लाइनों के किनारे मिलते थे बाद में यह सड़कों के किनारे में होने लगे और अब तेजी से खाली पड़े खेतों में इसकी झाड़ियां जंगल की तरह उग रही है उन्होंने बताया कि गाजर घास मनुष्यों के स्वास्थ्य व पशुओं के लिए हानिकारक है तथा वातावरण भी प्रदूषित करते हैं उन्होंने कहा कि इसके उन्मूलन के लिए इसे फूलने के पहले ही उखाड़ कर नष्ट कर देना चाहिए या संस्तुत खरपतवार नाशक का प्रयोग करना चाहिए इस अवसर पर निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय कुमार यादव,संपत्ति अधिकारी डा.अनिल कुमार सिंह उपस्थित रहे।

Title-code: UPHIN-48963
E-mail: jksingh.hardoi@gmail.com
सत्य का असर
समाचार पत्र
21,07,2023 jksingh.hardoi@gmail.com मोबाइल 9956834016

सीएसए कुलपति के निर्देशन में विश्वविद्यालय परिसर में चला गाजर घास उन्मूलन कार्यक्रम

पत्रकार जीतेंद्र सिंह पटेल

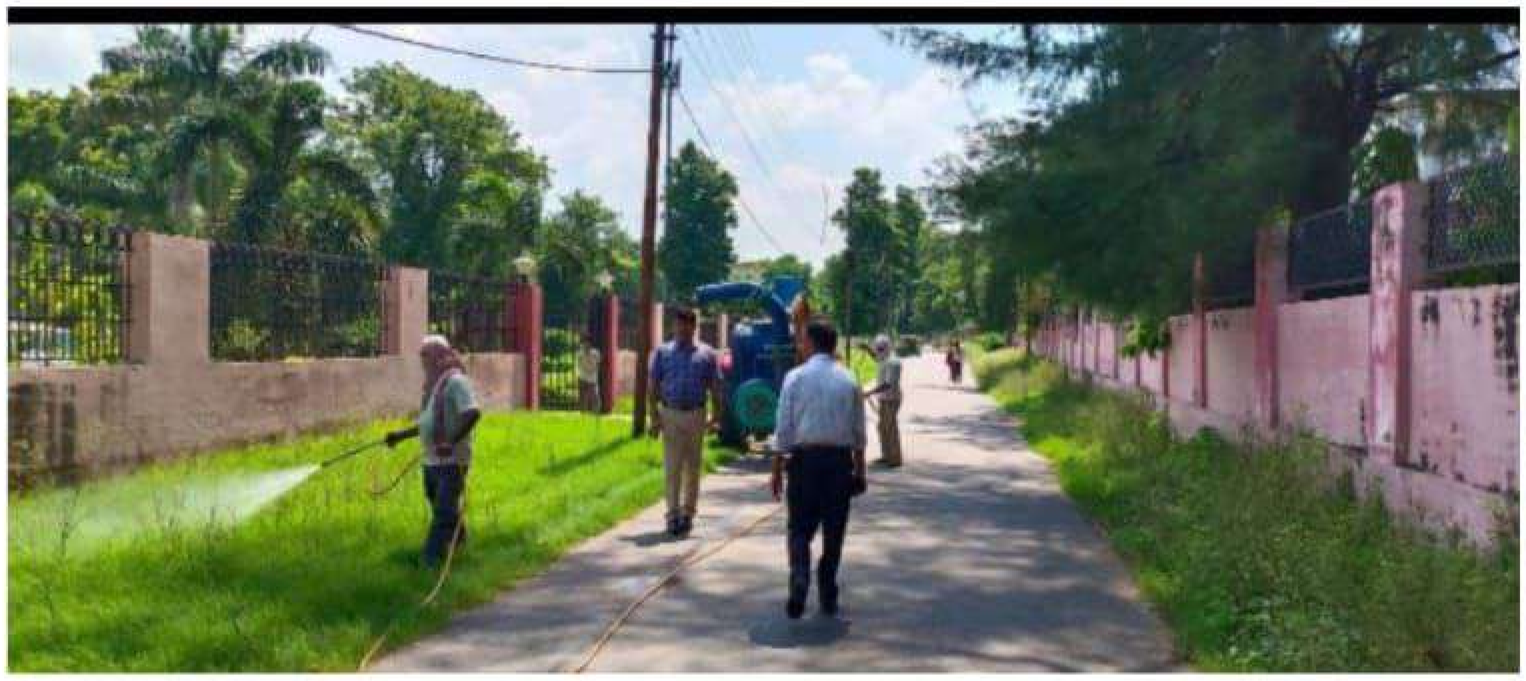

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देशन में विश्वविद्यालय परिसर में गाजर घास उन्मूलन कार्यक्रम चलाया गया। इस अवसर पर कुलपति ने बताया कि प्राय: गाजर की तरह पत्ते वाला छोटे-छोटे सफेद फूल देने वाला एक से दो ढाई फीट ऊंचाई वाले इसके पौधे पहले रेलवे लाइनों के किनारे मिलते थे।बाद में यह सड़कों के किनारे में होने लगे और अब तेजी से खाली पड़े खेतों में इसकी झाड़ियां जंगल की तरह उग रही है। उन्होंने बताया कि गाजर घास मनुष्यों के स्वास्थ्य व पशुओं के लिए हानिकारक है तथा वातावरण भी प्रदूषित करते हैं।उन्होंने कहा कि इसके उन्मूलन के लिए इसे फूलने के पहले ही उखाड़ कर नष्ट कर देना चाहिए। या संस्तुत खरपतवार नाशक का प्रयोग करना चाहिए।इस अवसर पर निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय कुमार यादव,संपत्ति अधिकारी डा.अनिल कुमार सिंह उपस्थित रहे।

हिंदुस्तान कानपुर 21/07/2023

सीएसए में गाजर घास के खिलाफ चलाया अभियान

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) कैम्पस में बहुतायत मात्रा में गाजर घास हो गई थी। यह घास प्रदूषण फैलाने के साथ जानवर व मनुष्यों के लिए भी हानिकारक है। इसे देखते हुए विवि कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने गुरुवार को विशेष अभियान चलाया। पूरे कैम्पस में गाजर घास उन्मूलन अभियान चला। इस मौके पर निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ. विजय कुमार यादव, संपत्ति अधिकारी डॉ. अनिल कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।